शेख़ फ़रीद – सबद १३१

इकु फिका न गालाइ सभना मै सचा धणी ॥

सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब, १३८४

इकु फिका न गालाइ सभना मै सचा धणी ॥
हिआउ न कैही ठाहि माणक सभ अमोलवे ॥१२९॥

सार: वह सर्वव्यापी सार हर चीज़ में मौजूद है और यह सत्य हर सामाजिक मेल-जोल को हमारे अपने आप से सूक्ष्म मुलाक़ात में बदल देता है। हर मुलाक़ात एक आईने का काम करती है जिसमें हमारी अपनी छवि दिखाई देती है, ठीक वैसे ही जैसे रोशनी अलग-अलग रंगीन शीशों से गुज़रती है, वह अलग-अलग रंगों में दिखाई देती है लेकिन उसका मूल रूप नहीं बदलता। हम दूसरों के साथ कैसा बर्ताव करते हैं, यह हमारे अपने शीशे की हालत को दर्शाता है कि क्या वह रौशनी को साफ़-साफ़ गुज़रने देता है या उसे बिगाड़ देता है। इसी तरह यह हमारी अंदरूनी हालत को ज़ाहिर करता है। हमारा आदर, कठोरता, कोमलता या उपेक्षा का भाव, यह सभी हमारे अपने अस्तित्व के साथ हमारे रिश्ते को दिखाते हैं।

इकु फिका न गालाइ सभना मै सचा धणी ॥
एक भी कठोर शब्द न बोलें क्योंकि सच तो यह है कि सर्वव्यापी सत्ता सभी में विद्यमान है। यह सामाजिक मेल-जोल को स्वयं से ही एक मुलाक़ात के रूप में परिभाषित करता है, हम दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, यह हमारे अपने बारे में हमारी सोच को दर्शाता है।

हिआउ न कैही ठाहि माणक सभ अमोलवे ॥१२९॥
कभी किसी का दिल न तोड़ें, क्योंकि हर प्राणी, अनमोल रत्न है। यह समस्त अस्तित्व के आंतरिक मूल्य पर ज़ोर देता है, हर हिस्सा हमारी साँझा वास्तविकता में एक अनूठा दृष्टिकोण जोड़ता है। (१२९)

तत्त्व: शेख़ फ़रीद इस पर ज़ोर देते हैं कि हर चीज़ का अपना स्वाभाविक महत्व होता है, यह महत्व तुलना करने से नहीं बल्कि उस पूरी व्यवस्था में उसकी भूमिका के कारण होता है। हर हिस्सा एक अनोखा दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जो हमारी साँझा वास्तविकता को और भी समृद्ध बनाता है। जब किसी चीज़ को व्यापक संदर्भ में देखा जाता है तब वह व्यर्थ या महत्वहीन नहीं लगती। यहाँ तक कि जो चीज़ें देखने में छोटी या मामूली लगती हैं, वह भी उस पूरी व्यवस्था की समग्रता को बनाए रखने में एक अहम भूमिका निभाती हैं। इसलिए, किसी भी चीज़ का वास्तविक अर्थ उसकी ऊँच-नीच या पदानुक्रम से नहीं बल्कि उस विशिष्ट योगदान से उभरता है जो वह सृष्टि की एकता को बनाए रखने में देती है।

पहलकदमी

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com